मुझे तो उज्जैन के महाकाल का दीदार चाहिए लिरिक्स

ना कोठी ना बंगला,
ना मुझे कार चाहिए,
मुझे तो उज्जैन के महाकाल,
का दीदार चाहिए।bd।

दुनिया के सब झूठे रिश्ते,
मेरे समझ ना आवे,
जब से देखा उज्जैन में,
महाकाल नजर ही आवे,
नंदी के असवार की,
दरकार चाहिए,
मुझें तो उज्जैन के महाकाल,
का दीदार चाहिए।bd।

हर सावन में उज्जैन नगरी,
कावड़ लेकर आऊं,
झूम झूम के महाकाल के,
भजनों में खो जाऊं,
महाकाल के भक्तों में,
मेरा नाम चाहिए,
मुझें तो उज्जैन के महाकाल,
का दीदार चाहिए।bd।

'संजय अमन' तो महाकाल से,
इतनी अर्ज लगावे,
दुनिया चाहे रूठे हमसे,
भोले तू अपनाले,
महाकाल के चरणों में,
स्थान चाहिए,
मुझें तो उज्जैन के महाकाल,
का दीदार चाहिए।bd।

ना कोठी ना बंगला,
ना मुझे कार चाहिए,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मुझे तो उज्जैन के महाकाल,
का दीदार चाहिए।bd।

Singer / Upload – Sanjay Singh Chouhan
9009804779

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com